

आत्म-वृत्त



नाम	:	डा० (श्रीमती) मृदुल जोशी
पिता	:	स्व० श्री देवेन्द्र जोशी
माता	:	श्रीमती कमला जोशी
पति	:	प्रो० (डा०) सुनील कुमार जोशी
जन्म तिथि	:	21 अगस्त 1960
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पद	:	प्रोफेसर
संस्था	:	गुरुकुल कांगड़ी (सम.विश्वविद्यालय), हरिद्वार
विभाग	:	हिन्दी विभाग
स्थाई पता	:	5, माँ आनन्दमयी पुरम् कनखल 249408 हरिद्वार, उत्तराखण्ड
दूरभाष	:	9897458445
ई-मेल	:	dr_mriduljoshi@yahoo.com
शैक्षिक योग्यताएं	:	एम.ए. (हिन्दी), स्वर्णपदक लब्ध, पी.एच.डी.
अध्यापन अनुभव	:	लगभग 29 वर्ष

अभिविन्यास एवं पुनश्चर्या कार्यक्रम-

1. युनिवर्सिटी ग्राण्ट कमीशन द्वारा प्रस्तुत एकेडमिक स्टाफ कॉलेज कुमाऊँ युनिवर्सिटी नैनीताल में दिनांक 20 फरवरी 2008 से 18 मार्च 2008 तक होने वाले "चतुर्थ अभिविन्यास कार्यक्रम-4" में सहभागिता प्रदान की और 'A' grade प्राप्त किया।
2. यू०जी०सी० ग्राण्ट कमीशन द्वारा प्रस्तुत एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में दिनांक 30.11.09 से 19.12.09 तक होने वाले सोलहवें पुनश्चर्या कार्यक्रम (हिन्दी विषय-कथेतर गद्य साहित्य) में सहभागिता प्रदान की और 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।
3. यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर और हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम (5-24 सितम्बर 2011) में प्रतिभागीता की और 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।
4. यू०जी०सी०-मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित शॉर्ट टर्म कोर्स सर्टीफिकेट कोर्स हेतु पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में दिनांक 10.10.2017 से 16.10.2017 तक भाग लिया।
5. यू०जी०सी०-मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में आयोजित शॉर्ट टर्म कोर्स (मूक्स) सर्टीफिकेट कोर्स हेतु कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में दिनांक 08 जून 2018 से 14 जून 2018 तक भाग लिया।

प्रकाशन कार्य (पुस्तकें)-

- नई कविता में बिम्ब-विधान, प्रकाशन वर्ष 1992
- काव्य धारा, सुमन प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष 1995
- समकालीन हिन्दी काव्य में आम आदमी, क्लासिकल पब्लिकेशन हाउस नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष 2001

- निबंधना, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष 2007 ISBN No. 81-88134-73-2
- गुम हो गए अर्थ की तलाश में (काव्य संकलन), सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष 2007, ISBN No. 81-88134-82-1
- शब्दों के क्षितिज से, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष 2008, ISBN No.978-81-906477-9-3
- पाश्चात्य काव्यानुशीलन, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष 2010, ISBN No. 978-93-80190-50-1
- मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा: वैदिक चिकित्सा विज्ञान, प्रकाशन वर्ष-2011, ISBN No.81-89221-73-6, डी0के0ट्रेडर्स छावड़ी बाजार दिल्ली-110006 (अनुवाद)
- चयनित कहानियाँ (गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय के नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार) का सम्पादन, भारत पुस्तक भण्डार दिल्ली-94, प्रथम संस्करण-2011, ISBN-978-81-86304-67-9
- कविता की अन्तर्यात्रा, प्रकाशन वर्ष-2012, ISBN No. 978-93-81615-06-5, प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली।
- वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस : तुलनात्मक संदर्भ में, प्रकाशन वर्ष-2012, ISBN No. 978-93-81615-07-2, प्रगतिशील प्रकाशन नई दिल्ली।
- मर्म चिकित्सा विज्ञान, प्रकाशन वर्ष-2012, ISBN No. 81-89221-75-2, डी0के0ट्रेडर्स छावड़ी बाजार दिल्ली-110006 (अनुवाद)
- इन दिनों (काव्य संकलन), प्रकाशन वर्ष-2013, ISBN No. 978-93-80945-30-9, एजुकेशनल बुक सर्विस, एन-3/25ए, डी.के.रोड, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, प्रकाशन वर्ष-2014, ISBN No. 978-93-83754-07-6, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- नन्दाराजजातसंस्कृतपद्यपुष्पांजलि: का हिन्दी में पद्यानुवाद, प्रकाशन वर्ष 2014, प्रकाशक-उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार। (उत्तराखण्ड)।
- उत्तराखण्ड की लोक भाषा और लोक साहित्य, प्रकाशन वर्ष-2016, ISBN No. 978-81615-65-0 प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली-110059।
- दस्तक देती संभावनाएँ, प्रकाशन वर्ष-2017, ISBN No. 978-93-86246-14-1 प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली-110059।
- मुक्तिबोध और अज्ञेय के काव्य में संवेदना, चिन्तन और शिल्प, प्रकाशन वर्ष-2020, ISBN No. 978-81-946302-7-2 एजुकेशनल बुक सर्विस, नई दिल्ली-59।

शोध निर्देशन- 17 शोधर्थियों ने शोध उपाधि धारण की तथा 6 शोधार्थी शोधरत हैं।

शोधार्थी का नाम	विषय	उपाधि धारण का वर्ष
कु0 दीपशिखा शील	नागार्जुन और त्रिलोचन के काव्य में सामाजिक और राजनैतिक यथार्थ	28.01.2011
कु0 एकता त्यागी	हंस पत्रिका का हिन्दी पत्रकारिता को अवदान	09.02.2011
नर्मदा रावत	मंजुल भगत के कथा साहित्य में सामाजिक चेतना	28 जून 2011
मुन्ना राम	अज्ञेय के साहित्य में नारी-पुरुष सम्बन्ध	24 नवम्बर 2011
रीता देवी	कमलेश्वर की कथा साहित्य में नारी	10 दिसम्बर 2011
प्रीति आर्या	समकालीन हिन्दी साहित्य में शोषित वर्ग के लेखकों के आत्मकथाएँ (1980-2010 तक)	12.04.2014
रीना	मटियानी की कहानियों में चित्रित उत्तराखण्ड	25.07.2014
निधि छाबड़ा	केदारनाथ सिंह के काव्य का सौन्दर्य शास्त्रीय अनुशीलन	24.10.2015
सुभाष कुमार	श्रीलाल शुक्ल के हास्य व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन	27.01.2016
कुमारी श्वेता अग्रवाल	21वीं सदी की कवियत्रियों का हिन्दी साहित्य में अवदान	08.09.2018
कुमारी पूजा पुण्डरी	रमेश चन्द्र शाह के कथा साहित्य का सामाजिक अनुशीलन	10.09.2018

कुमारी तनुजा राणा	शेखर जोशी के साहित्य में यथार्थ बोध	06.11.2019
कुमारी अनिका सिंह	मनोहर श्याम जोशी के कथा साहित्य में आधुनिक चिंतन	03.12.2019
कुमारी शिप्रा	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गज़ल में अभिव्यक्त व्यवस्था-विरोध	30.11.2021
विनय प्रताप सिंह	नरेन्द्र कोहली के रामकथाश्रित उपन्यासों में मूल्य बोध	29.11.2021
रीतू	उदय प्रकाश के कथा साहित्य में युग बोध	16.08.2022
माया देवी	अजगर वजाहत के कथा साहित्य में राजनीतिक अनुशीलन	12.10.2022

लघु शोध प्रबन्ध निर्देशन:-

क्रम सं.	विषय	छात्रा का नाम	वर्ष
1.	नई कविता के आलोक में सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य रचना	कु0 अर्चना पंत	1995-96
2.	नई कहानी : कथ्य और शिल्प	कु0 मंजू धीमान	1996-97
3.	गिरिजा कुमार माथुर के काव्य में प्रकृति प्रेम और प्रणयानुभूति	कु0 अनामिका शर्मा	1996-97
4.	मुझे चांद चाहिये: एक तात्विक समीक्षा	कु0 सीमा वैश्य	1996-97
5.	सूर के काव्य में सौन्दर्य निरूपण	कु0 अलका सिंह	1997-98
6.	महादेवी वर्मा के रेखा चित्रों में विविध वर्गीय चित्रण	कु0 कविता चौहान	1997-98
7.	रांगेय राघव की प्रतिनिधि कहानियों का समीक्षात्मक अध्ययन	कु0 रचना शर्मा	2000-2001
8.	नाच्यौ बहुत गोपाल : समाज के एक विशिष्ट वर्ग का समग्र आकलन	कु0 सन्ध्या शर्मा	2000-2001
9.	समकालीन रचना धर्मिता के परिप्रेक्ष्य में धूमिल की कविताओं का अनुशीलन	कु0 रोमा	2002-2003
10.	गुफा का आदमी : समीक्षात्मक अध्ययन	कु0 सोनम	2017-2018

शोध पत्र प्रकाशित (राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय) - 161

पुस्तकों में प्रकाशित लेख/अध्याय:- 14

1. गीतार्थसंग्रह व्याख्या एवं परिचर्चा (सम्पादक प्रो0 यू0एस0 बिष्ट, प्रकाशक सत्यम् पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-2008), पुस्तक में 'श्रीमद्भगवतगीता की आज के जीवन में उपयोगिता' शीर्षक से प्रकाशित शोध पत्र, पृ0 142-148
2. "समकालीन हिन्दी कहानी और 21वीं सदी की चुनौतियाँ" (आशीष प्रकाशन कानपुर प्रथम संस्करण 2011, ISBN 978-81-89457-40-2 सम्पादक डा0 इन्दुमति सिंह, डा0 ज्योति किरण) में मंजुल भगत के कथा साहित्य में स्त्री विमर्श शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित, पृ0 27-31।
3. "समकालीन हिन्दी कहानी और 21वीं सदी की चुनौतियाँ" (आशीष प्रकाशन कानपुर प्रथम संस्करण 2011, ISBN 978-81-89457-40-2 सम्पादक डा0 इन्दुमति सिंह, डा0 ज्योति किरण) में मंजुल भगत के कथा साहित्य में वर्णित असुरक्षित बचपन शीर्षक से संयुक्त शोध पत्र प्रकाशित, पृ0 139-143।
4. "समकालीन हिन्दी कहानी और 21वीं सदी की चुनौतियाँ" (आशीष प्रकाशन कानपुर प्रथम संस्करण 2011, ISBN 978-81-89457-40-2 सम्पादक डा0 इन्दुमति सिंह, डा0 ज्योति किरण) में हंस की कहानियों में दलित चेतना और अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याएँ में शीर्षक से संयुक्त शोध पत्र प्रकाशित पृ0 92-95।
5. भारती पब्लिकेशन, दिल्ली (www.bhartipublication.com में प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल सेमिनार ऑन ऐन्सिएण्ट एण्ड स्पीच्युल साइंसेज 25-26 अक्टूबर 2014 ISBN 978-9381-212-22-6) प्रथम संस्करण 2014, में प्रकाशित शोध पत्र 'मंत्र एक अलौकिक विज्ञान' पृष्ठ सं0 147-152।
6. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की भाषा विद्या शाखा के अन्तर्गत एम0ए0 के पाठ्यक्रम हेतु उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (MAHL- 205), ISBN 978-91-84632-75-5 में तीन इकाइयाँ- लोक स्वरूप एवं प्रवृत्ति, लोक साहित्य स्वरूप एवं प्रवृत्ति और लोक साहित्य के संरक्षण की समस्या एवं समाधान प्रकाशित, पृ0 1-55।
7. भारत में नगरीय समाज (सम्पादक- डॉ0 एस0अखिलेश, डॉ0 संध्या शुक्ल), ISBN 978-81-87364-63-4 के अन्तर्गत शोध छात्रा सुषमा के साथ शोध लेख "स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में महानगरीय समाज", पृ0 134-143, प्रथम संस्करण, वर्ष-2014, गायत्री पब्लिकेशन्स बिछिया, रीवा, म0प्र0, 486001
8. समकालीन दर्शन (सम्पादक प्रो0 यू0एस0 बिष्ट, प्रकाशक सत्यम् पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-2015), पुस्तक में 'रामचरितमानस में वेदोक्त ब्रह्म-निरूपण' शीर्षक से प्रकाशित शोध पत्र, पृ0 29-3

9. डॉ० जगन्नाथ झा सारस्वताभिनन्दन ग्रंथ, (प्रधान संपादन—डॉ० इन्द्रनाथ झा, प्रकाशक—सत्यम् पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2015), ISBN 978-93-83754-57-1 पुस्तक में “वेदोक्त पारिवारिक व्यवस्था और ‘रामचरितमानस’ में वर्णित परिवार’ शीर्षक से शोध पत्र, पृ० 144–150।
10. समकालीन भारतीय समाज और राजनीति, सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज, रीवा(म०प्र०), ISBN 978-81-87364-72-6 के प्रथम संस्करण 2017 में प्रकाशित लेख ‘धूमिल’ की कविता के राजनैतिक आयाम’ पृ० सं० 173–184।
11. स्त्री विमर्श एवं समकालीन हिन्दी साहित्य (नीलकमल प्रकाशन गोरखपुर), प्रथम संस्करण—2017, ISBN 978-93-81054-03-1 में प्रकाशित शोध छात्रा अनिका सिंह के साथ प्रकाशित शोध पत्र ‘मनोहरश्याम जोशी के उपन्यासों में स्त्री-विमर्श’, पृ० 37–45।
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य चर्चित आयाम (विनय प्रकाशन कानपुर-21), प्रथम संस्करण—2018, ISBN 978-81-89187-55-2 में प्रकाशित शोध छात्रा पूजा पुण्डीर के साथ प्रकाशित शोध पत्र ‘रमेशचन्द्र शाह के कथा-साहित्य का धार्मिक अनुशीलन’, पृ० 175–184।
13. हिन्दी साहित्य-साधक कृष्ण लाल दिवान द्वारा प्रकाशित पुस्तक प्रथम संस्करण—2018, ISBN 978-93-86541-32-1 में प्रकाशित शोध लेख ‘मानवीय संवेदनाओं का दस्तावेज’ पृ० 131–133
14. गाँधी दर्शन और भारतीय साहित्य (निखिल पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स आगरा) द्वारा प्रकाशित प्रथम संस्करण—2020, ISBN 978-93-89896-17-6 में प्रकाशित शोधलेख ‘वैश्विक परिदृश्य में गाँधी जी का शिक्षा दर्शन’ पृ० 80–83

इकाई लेखन:- 2

1. ‘उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय’ द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण सत्र 2011–12 हेतु हिन्दी विषय के लिए इकाई लेखन। मैथ्यू ऑनल्ड : परिचय एवं सिद्धान्त, रिचर्ड्स : परिचय एवं सिद्धान्त, क्रोचे: परिचय एवं सिद्धान्त, इलियट : परिचय एवं सिद्धान्त— इन चार इकाइयों का लेखन किया गया। ISBN-97893-84632-700
2. ‘उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय’ द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण सत्र 2012–13 हेतु पाँच इकाइयों यथा खण्ड 3 में उत्तराखण्ड का लोक साहित्य शीर्षक के अन्तर्गत लोक स्वरूप एवं प्रवृत्ति, लोक साहित्य स्वरूप एवं प्रवृत्ति, लोक साहित्य के संरक्षण की समस्या एवं समाधान तथा हिन्दी भाषा का इतिहास के अन्तर्गत कुमाउँनी भाषा का उद्भव एवं विकास, गढ़वाली भाषा का उद्भव एवं विकास इन पाँच इकाइयों का लेखन किया गया।

आमंत्रित व्याख्यान— 12

1. रविवार 23 सितम्बर 2007 में मावलंकर सभागार, रफी मार्ग नई दिल्ली में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह ‘दिनकर’ जन्मशताब्दी समारोह हेतु आयोजित संगोष्ठी में ‘युग चेतना के कवि दिनकर’ शीर्षक से आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत।
2. अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन मॉरीशस 2008 (4–7 सितम्बर, 2008) में सहभागिता की और ‘वेद और अध्यात्म’ शीर्षक से आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
3. डी०ए०वी०, पी०जी० कॉलेज मॉरीशस के आमंत्रण पर 13 सितम्बर 2008 को सूर्य कान्त त्रिपाठी ‘निराला’ के हिन्दी साहित्य में अवदान पर व्याख्यान दिया।
4. उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून द्वारा देहरादून में आयोजित दिनांक 12–13 दिसम्बर, 2011 के शोध सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित की गई।
5. आर्य सभा मॉरीशस, द्वारा आयोजित चेमिन ग्रीनियर आर्य समाज द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 14 अक्टूबर 2013 को ‘वेदोक्त शिक्षा : एक आदर्श जीवन शैली’ पर बीज वक्तव्य प्रदान किया।
6. आधारशिला विश्व हिन्दी मिशन व हिन्दी स्पीकिंग यूनियन मॉरीशस द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन मॉरीशस (10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2013) में ‘हिन्दी भाषा और साहित्य : देश से दुनियाँ तक’ विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया।
7. आधारशिला फाउण्डेशन विश्व हिन्दी मिशन एवं हिन्दी यूनिवर्स फाउण्डेशन द्वारा 25 जून 2014 को

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन नीदरलैण्ड (हॉलैण्ड) में महात्मा गाँधी सेन्टर, भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र, (भारतीय दूतावास) हेग (नीदरलैण्ड) में 'हिन्दी और यूरोपीय साहित्य में अन्तर्सम्बन्ध' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

8. आधारशिला विश्व हिन्दी प्रसार मिशन द्वारा 29 जनवरी से 08 फरवरी 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन, सिंगापुर में 'हिन्दी और भारतीय संस्कृति : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध में' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
9. वाडिया हिमालयन भू संस्थान देहरादून द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाडे के अन्तर्गत दिनांक 17.09.2018 को "वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
10. राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर के तत्वाधान में दिनांक 22 सितम्बर 2020 में एक दिवसीय वेबीनार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
11. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोक भाषा संस्थान देहरादून द्वारा 8 मार्च 2019 को 'उत्तराखण्ड के लोक साहित्य में महिला साहित्यकारों का आवदान' शीर्षक से आमंत्रित अतिथि व्याख्यान दिया गया।
12. राष्ट्रीय सेवा योजना गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में ई0टी0आई0 के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों के लिए दिनांक 16-22 दिसम्बर 2019 तक 7 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 17.12.2019 को विशिष्ट व्याख्यान 'सामाजिक ज्वलंत समस्याएँ : कारण और समाधान' विषय पर प्रदान किया गया।

कार्यशाला:- वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में 6 कार्यशालाओं में प्रतिभाग।

1. जैव प्रौद्योगिकी मूलभूत शब्दावली निर्माण हेतु वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में दिनांक 9-12 दिसम्बर 07 तक गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में भाग लिया।
2. जैव प्रौद्योगिकी मूलभूत शब्दावली निर्माण हेतु वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में दिनांक 13.01.08 से 15.01.08 तक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में भाग लिया।
3. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी (अंग्रेजी-हिन्दी) शब्द-संग्रह-निर्माण विशेषज्ञ समिति की बैठक में विषय-विशेषज्ञ के रूप में वानिकी विज्ञान विभाग कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, (उत्तराखण्ड) में दिनांक 29 जून 2008 से 2 जुलाई 2008 तक भाग लिया।
4. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी (अंग्रेजी-हिन्दी) शब्द-संग्रह-निर्माण विशेषज्ञ समिति की बैठक में विषय-विशेषज्ञ के रूप में वनस्पति और सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 29 मार्च 2010 से 1 अप्रैल 2010 तक भाग लिया।
5. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी (अंग्रेजी-हिन्दी) शब्द-कोश-निर्माण विशेषज्ञ समिति की बैठक में विषय-विशेषज्ञ के रूप में वनस्पति और सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 17 मई 2012 से 20 मई 2012 तक भाग लिया।
6. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित मूलभूत प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी-संस्कृत) शब्द-कोश-निर्माण विशेषज्ञ समिति की समीक्षा बैठक में विषय-विशेषज्ञ के रूप में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में दिनांक 3 जून 2014 से 08 जून 2014 तक भाग लिया।
7. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आई0आई0टी0 रुड़की द्वारा आयोजित 'एप्लाइड, फिलासफी एण्ड प्रोफेशनल एथिक्स' दि0 18-20 नवम्बर 2001, एक सत्र में प्रतिवेदक।
8. अंग्रेजी विभाग द्वारा, सेन्टर फॉर केनेडियन स्टडीज गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित 'कल्चर एन्वारयमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी' विषय पर त्रिदिवसीय कार्यशाला (28-30 मार्च, 2007 तक) में प्रतिभागिता।
9. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में कुलपति द्वारा नियुक्त प्रश्नांशों के मॉडरेशन हेतु दिनांक 06 मार्च 2009 को विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

10. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 22–28 नवम्बर 2010 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया।
11. मानव चेतना और योग विज्ञान विभाग गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) द्वारा आयोजित मर्म विज्ञान एवं मर्म चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर में दिनांक 31 जनवरी से 4 फरवरी 2011 तक भाग लिया।
12. योग विभाग गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 12–13 मार्च, 2011 में आयोजित द्विदिवसीय नेशनल सेमिनार और कार्यशाला में भाग लिया।
13. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 24–28 अप्रैल 2011 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया एवं अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
14. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 20–24 नवम्बर 2011 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
15. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 21–24 अप्रैल 2012 तक चल रहे अन्तर्राष्ट्रीय मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा कार्यशाला कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
16. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 18–22 नवम्बर 2012 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
17. महिला महाविद्यालय (पी0जी0) कालेज, सती कुण्ड कनखल हरिद्वार आयोजित 1 दिवसीय संगोष्ठी में 'उत्तराखण्ड में हिन्दी गढ़वाली और कुमाउँनी साहित्य' पर बीज भाषण (key note address) हेतु दिनांक 23.02.2013 को आमंत्रित की गई।
18. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 22–26 नवम्बर 2013 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
19. अभिप्रेरणा फाउन्डेशन हरिद्वार द्वारा गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय में आयोजित 'योग शिक्षा और मर्म चिकित्सा का महत्व' शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 30.11.2013 में भाग लिया।
20. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में प्रेम नगर आश्रम, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 28 अप्रैल–2 मई 2014 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
21. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 14–18 नवम्बर 2014 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
22. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 23–27 अप्रैल 2015 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
23. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में श्री प्रेमनगर आश्रम, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 20–24 अप्रैल 2016 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
24. मानव चेतना और योग विज्ञान विभाग गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) द्वारा आयोजित योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा विषय पर चलने वाली कार्यशाला में दिनांक 25 अप्रैल से 30 अप्रैल 2016 तक भाग लिया।
25. एन0पी0ओ0 हीलिंग एण्ड हेल्थी नेटवर्क, स्योज्याकू होनुमाची, सेतु ओसाका जापान में 'एन्शिएन्ट वैदिक साइंस एण्ड कल्चर' विषय पर आयोजित वर्कशॉप, (दिनांक 9 जून 2016 से 15 जून 2016 तक) में प्रतिभागिता की।
26. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में नौरंगाबाद, गैँड़ीखाता, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 20–24 नवम्बर 2016 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
27. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में नौरंगाबाद, गैँड़ीखाता, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 23–27 अप्रैल 2017 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

28. सुलिस्लॉ इन्स्टीट्यूट ऑफ योगा एण्ड आयुर्वेद, ग्रॉडकाउ, पोलेण्ड में 21–25 जून 2017 तक आयोजित चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय साइंटिफिक कान्फ्रेंस योगा एण्ड आयुर्वेद एण्ड द फेमिली योगा फेस्टिवल में सहभागिता की।
29. सुलिस्लॉ इन्स्टीट्यूट ऑफ योगा एण्ड आयुर्वेद, ग्रॉडकाउ, पोलेण्ड में 26 जून से 01 जुलाई 2017 में आयोजित मर्म थिरेपी कार्यशाला का सफलता पूर्वक संचालन किया।
30. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में नौरंगाबाद, गेंडीखाता, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 26–30 नवम्बर 2017 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
31. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में नौरंगाबाद, गेंडीखाता, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 18–22 अप्रैल 2018 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया और अग्रिम प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।
32. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में नौरंगाबाद, गेंडीखाता, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 18–22 नवम्बर 2018 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया।
33. मृत्युंजय मिशन (वैदिक आयुर्विज्ञान प्रतिष्ठान) के संस्थापक सदस्य के रूप में नौरंगाबाद, गेंडीखाता, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में दिनांक 26–30 अप्रैल 2019 तक चल रहे मर्म विज्ञान एवं चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया।
34. एम0एच0आर0डी0 भारत सरकार द्वारा संचालित श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (क्रिएटिव एण्ड यूजिंग लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम) दिनांक 22–24 जनवरी 2020 में प्रतिभाग किया।
35. शिक्षक पर्व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर (उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड) के तत्वाधान में एक दिवसीय वेबिनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर विशिष्ट वक्ता के रूप में दिनांक 22 सितम्बर 2020 में व्याख्यान दिया।
36. स्वयं कमेटी गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित ऑनलाईन ऐजुकेशन एण्ड टीचिंग मैथोडोलोजी में 7 से 10 अगस्त 2020 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुति (अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय) :- 66

1. अंग्रेजी विभाग बी0एच0यू0 एवं सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट आफ हायर टिबेटन स्टडीज सारनाथ के तत्वाधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय में, 19–22 फरवरी 2001 'बुद्धिज्म एण्ड लिटरेचर' में शोध पत्र प्रस्तुत 'ग्लिम्पसेज ऑफ बुद्धिज्म ऑन अज्ञेयज्ञ पॉयट्री'
2. संस्कृत इन साउथ ईस्ट एशिया: द हार्मोनाइजिंग फेक्टर आफ कल्चर्स, संस्कृत स्टडीज सेंटर एण्ड डिपार्टमेन्ट ऑफ ओरियन्टल लेंग्वेज, सिल्पाकॉन यूनिवर्सिटी बैंकाक-थाइलैण्ड मई 21–23–2001 में शोध पत्र प्रस्तुत 'इम्पेक्ट आफ ब्राह्मिनिज्म एवं बुद्धिज्म आन साउथ ईस्ट एशिया'
3. अंग्रेजी विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस आन कनेडियन स्टडीज : रीसेन्ट ट्रेन्ड्स एण्ड फ्यूचर डायरेक्शन' पर 'मार्ग्रेट एट बुड्ज, नेचर एण्ड पोएटिक आर्ट' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
4. मनोविज्ञान विभाग, गु0का0वि0वि0 द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ट्रेन्ड्स इन क्लीनिकल डायग्नोसिस एण्ड इकोथेरापी : मार्डन एण्ड वैदिक विषय पर 'भूत विद्या' वैदिक साइन्स ऑफ माइन्ड शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत।
5. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के वेद विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2005 में "वैदिक आख्यान और आज की हिन्दी कविता" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
6. इन्टर नेशनल योगा कॉर्डिनेशन सेन्टर के तत्वाधान में ऋषिकेश परामार्थ निकेतन में "अक्टूबर 13–16, 2006" में आयोजित "नाथ योग सप्रदाय" सम्मेलन में "द इम्पेक्ट ऑफ नाथ ट्रेडिशन ऑन सेंट लिटरेचर" के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत।
7. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार की ओर से दिनांक 9,10,11 फरवरी, 2007 में आयोजित "अन्तर्राष्ट्रीय वेद-वेदांग-विद्वत्-सम्मेलनम्" में "वेद और कामायनी की श्रद्धा" के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत।
8. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के डिपार्टमेन्ट ऑफ ह्यूमन कॉन्शसनेस एण्ड योगिक साइंस की ओर से दिनांक 23–25 मार्च 2007, में आयोजित "योग एण्ड हेल्थ अवेयरनेस इन मॉडर्न सिनारियो" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "योग-साधना और कबीर" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
9. वाइडर एसोशिएशन फॉर वैदिक स्टडीज और बोन महाराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा दिनांक 14 दिसम्बर से 16 दिसम्बर 2007 में वृदावन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रामचरितमानस में वैदिक

- मूल्यों का प्रभाव और प्रासंगिकता' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
10. इन्टरनेशनल योगा कोऑर्डिनेशन सेन्टर (वाइकोसेन) व एस0जी0एस0 इन्टरनेशनल योगा फाउन्डेशन एण्ड रिसर्च सेन्टर के संयुक्त तत्वाधान में जय महल पैलेस बैंगलोर में दिनांक 26 फरवरी से 1 मार्च 2009 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता व 'नाथ सम्प्रदाय में हठ योग' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 11. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड में आयोजित विश्व वेद सम्मेलन 20-22 नवम्बर 2009, में सहभागिता के साथ 'वेदोक्त पारिवारिक व्यवस्था और 'मानस' में वर्णित परिवार' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 12. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड में आयोजित विश्व वेद सम्मेलन 20-22 नवम्बर 2009, में शोध छात्रा दीप शिखा शील के साथ 'नागार्जुन और त्रिलोचन की कविता में वैदिक मूल्य' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 13. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड में आयोजित विश्व वेद सम्मेलन 20-22 नवम्बर 2009, में शोध छात्रा नर्मदा रावत के साथ 'वेदोक्त नारी और मंजुल भगत की कथा नायिकाएँ' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 14. पातंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड, भारत में (दिनांक जनवरी 2-5, 2011) आयोजित "योग: स्वास्थ्यलाभाय सामाजिक परिवर्तनाय च" शीर्षक से प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन में "कबीर का हठ योग : आध्यात्मिक स्वास्थ्य का तरीका" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 15. डिपार्टमेन्ट ऑफ लेगेजिज एण्ड कल्चर्स ऑफ साउथ एण्ड ईस्ट एशिया, यूनिवर्सिटी ऑफ गेन्ट(बेल्जियम, यूरोप) में दिनांक 3.10.2011 से 5.10.2011 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फेस में 'द इण्डियन लाइफ डेपिक्टेड इन पोस्ट इण्डिपेन्डेन्स हिन्दी पोएट्री' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 16. 6वाँ अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन, 13 फरवरी से 18 फरवरी, 2013 दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में आयोजित तृतीय सत्र में 'समकालीन हिन्दी कविता में स्त्री विमर्श' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 17. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 26-28 सितम्बर 2014 तक राजभवन, उत्तराखण्ड, देहरादून में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में 'विश्व शांति और संस्कृत' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 18. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार में आयोजित द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृति संगोष्ठी (18-19 अप्रैल 2015 में "वाल्मीकि रामायण में वर्णित नैतिक मूल्यों की प्रासंगिकता" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 19. संस्कृत स्टडीज सेंटर, सिल्पाकॉन यूनिवर्सिटी बैंकाक-थाइलैण्ड व इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ संस्कृति स्टडीज के संयुक्त तत्वाधान में 'षोडशं विश्वसंस्कृतसम्मेलनम्' (बैंकाक, 28 जून से 2 जुलाई 2015) में 'रामायण एण्ड रामचरितमानस : ए ब्युटिफुल ब्लेन्ड ऑफ रिलिजन, ड्यूटी एण्ड एन आइडियल फेमली रिलेशनशिप : ए क्रिटिकल अप्रेज़ल' शीर्षक से 29 जून 2015 को शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 20. सुलिस्लॉ पैलेस पॉलेण्ड के इस्टिट्यूट ऑफ योगा एवं आयुर्वेद के तत्वाधान में 24-26 जून, 2016 में आयोजित तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'मंत्र : द साइंस ऑफ सुपरनेचुरल पावर्स' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 21. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 12 से 14 नवम्बर, 2016 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 48 तमम् अखिलभारतीयप्राच्यविद्यासम्मेलनम्, हरिद्वारम् में 'रामायण और रामचरितमानस में मंथरा और त्रिजटा की भूमिका' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 22. व्यंजना, आर्ट एण्ड कल्चर सोसाइटी, प्रयागराज और गढ़वाल मण्डल विकास निगम, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वाधान में 'सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य में गंगा' विषय पर 19-20 अक्टूबर 2019 को अन्तर्विषयी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी काव्य में गंगा का पौराणिक एवं धार्मिक माहात्म्य' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 23. उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ, इण्डियन कॉउन्सिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, यू0कोस्ट, उत्तराखण्ड शासन व एल0एस0एम0 गवर्नमेन्ट पी0जी0कॉलेज पिथौरागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में 'वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता' विषय पर 17-18 नवम्बर 2019 को एल0एस0एम0 गवर्नमेन्ट पी0जी0कॉलेज पिथौरागढ़ में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वैश्विक परिदृश्य में गाँधी जी का शिक्षा-दर्शन' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
 24. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, रूड़की विश्वविद्यालय रूड़की द्वारा आयोजित 'बुद्धिस्ट फिलॉसफी एण्ड कम्प्रेरी इश्यूज़' दि0 13-15, 2000 में 'रियलाइजेशन ऑफ अल्टीमेट ट्रुथ इन अज्ञेयज असाध्य वीणा,' 'ए बुद्धिस्टिक एप्रोच' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
 25. प्राच्य विद्या संकाय, गु0का0वि0वि0 द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्कृत शोध सम्मेलनम् में 'वाल्मीकि रामायण तथा रामचरितमानसान्तर्गत राजा के स्वरूप वर्णन में वेदों का प्रभाव' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत।
 26. 27-28 फरवरी 2007 को एस0एम0जे0एन0 पी0जी0 कालेज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में आयोजित, यू0जी0सी0 द्वारा अनुदानित 'भक्तिकाल का पुनर्मूल्यांकन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक न्याय और संघर्ष का काव्य: निर्गुण संत साहित्य' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
 27. 11 मार्च 2007 को एस0एम0जे0एन0 पी0जी0 कॉलेज हरिद्वार एवं आई0सी0एस0एस0आर0 के तत्वाधान में "जेन्डर इक्विटी थू वीमेन इम्पॉवरमेन्ट: मिथ एण्ड रिएलिटी" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "नारी-शक्ति: एक अवलोकन" शीर्षक

से शोध पत्र प्रस्तुत।

28. 15-17 मार्च 2007 को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के दर्शन विभाग की ओर तथा "द इण्डियन काउन्सिल ऑफ फिलोसॉफिकल रिसर्च" दोनों के संयुक्त तत्वावधान में "द फिलोसॉफिकल इम्पोर्टेंस ऑफ गीतार्थ संग्रह रक्षा एण्ड द रोल ऑफ पंचरात्र आगम्स" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "श्रीमद्भगवद्गीता की आज के जीवन में उपयोगिता" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
29. हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की ओर से चित्रकूट में आयोजित द्विदिवसीय (29, 30 दिसम्बर, 2007) परिसंवाद संगोष्ठी में 'सामाजिक राजनीतिक यथार्थ : नागार्जुन की कविताओं के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
30. द फोर्टीफोर्थ ऑल इंडिया ओरिएण्टल कॉन्फ्रेंस द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में आयोजित त्रिदिवसीय 28-30 जुलाई 2008 तक होने वाली सेमिनार में 'वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस के आलोक में रावण-चरित्र' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
31. दिग्विजय नाथ स्नातकांतर महाविद्यालय, गोरखपुर, (सम्बद्ध: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर) के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित, 'रामचरितमानस में आदर्श परिवार की परिकल्पना : वर्तमान संदर्भों में' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (24-25 अक्टूबर, 2008) में 'वर्तमान समाज में रामचरित मानस की प्रासंगिकता' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत।
32. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड, के दर्शन विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय दर्शन परिषद के 53 वें अधिवेशन में (8-10 नवम्बर, 2008) शोध पत्र 'श्रीमद्भगवद्गीता में मानव धर्म' शीर्षक से प्रस्तुत किया।
33. एस0एम0जेन पी0जी0 कॉलेज, हरिद्वार, उत्तराखंड, के विज्ञान विभाग और उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्लोबल वार्मिंग- इट्स इम्पैक्ट ऑन इनवारयमेन्ट, इकोनोमी, सोसायटी एण्ड पोलिटिक्स' के अधिवेशन (27-28 दिसम्बर, 2008) में पर्यावरण संरक्षण के वैदिक संदर्भ शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
34. अखिल भारतीय दर्शन परिषद, के जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में दिनांक 6-8 नवम्बर, 2009 को होने वाले 54 वें अधिवेशन में शोध पत्र "कबीर का औपनिषदिक दर्शन" प्रस्तुत।
35. कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस,जी,एस कैम्पस अल्मोडा, उत्तराखण्ड (भारत) के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय सेमिनार(फरवरी 13-14, 2010) में "वाल्मीकि रामायण और रामचरित मानस में नीति तत्व" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
36. बौद्ध अध्ययन केन्द्र गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार (मार्च 27-28, 2010) में वर्तमान में वैश्विक शान्ति के लिए बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों की प्रासंगिकता विषय पर 'विश्व शांति और बौद्ध धर्म' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
37. द फोर्टीफिफ्थ ऑल इंडिया ओरिएण्टल कॉन्फ्रेंस द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में आयोजित त्रिदिवसीय 2-4 जून 2010 तक होने वाली सेमिनार में 'वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस में अंगद के चरित्र का तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति।
38. महाराजा हरिश्चन्द्र स्नातकांतर महाविद्यालय, मुरादाबाद में आयोजित व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सम्पोषित "सूचना तकनीक एवं हिन्दी पत्रकारिता" विषय पर दिनांक 14-15 नवम्बर, 2010 में आयोजित 'अखिल भारतीय हिन्दी शोध संगोष्ठी में 'टेलीविजन पत्रकारिता की चुनौतियाँ' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
39. महाराजा हरिश्चन्द्र स्नातकांतर महाविद्यालय, मुरादाबाद में आयोजित व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सम्पोषित "सूचना तकनीक एवं हिन्दी पत्रकारिता" विषय पर दिनांक 14-15 नवम्बर, 2010 में आयोजित 'अखिल भारतीय हिन्दी शोध संगोष्ठी में शोध छात्रा एकता त्यागी के साथ 'वर्तमान पत्रकारिता का स्वरूप और हंस' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
40. महिला महाविद्यालय परास्नातक, कानपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-2010 के अन्तर्गत दिनांक 15-16 दिसम्बर, 2010 में "समकालीन हिन्दी कहानी और 21वीं सदी की चुनौतियाँ" में मंजुल भगत के कथा साहित्य में स्त्री विमर्श शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
41. महिला महाविद्यालय परास्नातक, कानपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-2010 के अन्तर्गत दिनांक 15-16 दिसम्बर, 2010 में "समकालीन हिन्दी कहानी और 21वीं सदी की चुनौतियाँ" में हंस की कहानियों में दलित चेतना और अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याएँ में शीर्षक से संयुक्त शोध पत्र शोध छात्रा एकता त्यागी के साथ प्रस्तुत किया।
42. महिला महाविद्यालय परास्नातक, कानपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-2010 के अन्तर्गत दिनांक 15-16 दिसम्बर, 2010 में "समकालीन हिन्दी कहानी और 21वीं सदी की चुनौतियाँ" में मंजुल भगत के कथा साहित्य में वर्णित असुरक्षित बचपन शीर्षक से संयुक्त शोध पत्र शोध छात्रा नर्मदा रावत के साथ प्रस्तुत किया।

43. इण्डियन फिलोसोफिकल कांग्रेस और दर्शन विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के तत्वाधान में जनवरी 9-11, 2011 में आयोजित 84 वें अधिवेशन में सहभागिता की और 'प्रत्यभिज्ञा दर्शन और कामायनी' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
44. जगदीश सरन हिन्दू स्नातकात्तर महाविद्यालय, अमरोहा, ज्योतिबाफुले नगर, (उ०प्र०) में 18-19 फरवरी, 2011 को आयोजित 'वैश्वीकरण एवं शिक्षा' विषय पर 'भूमण्डलीकरण और आज की हिन्दी कविता' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
45. विजय सिंह पथिक, राजकीय स्नातकात्तर महाविद्यालय, कैराना, मुजफ्फरनगर (उ०प्र०) में 27 मार्च, 2011 को आयोजित 'इक्कसवीं सदी और महिलाओं का बदलता परिदृश्य' विषय पर 'इक्कसवीं सदी की कामकाजी महिलाएँ एवं उनकी समस्याएँ' शीर्षक से डॉ० दीपशिखा शील के साथ संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।
46. राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास (भारत) द्वारा गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय सभागार में आयोजित 12वें अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा विकास सम्मेलन में दिनांक 11 मार्च 2011 में भाग लिया।
47. हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा हरिद्वार में आयोजित दिनांक 29-31 मार्च, 2011 के 63वें अधिवेशन में भाग लिया और 'साहित्य: समकालीनता बनाम शाश्वतता' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
48. हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में आयोजित दिनांक 13 अप्रैल 2011 को 'अज्ञेय की रचना धर्मिता : विविध आयाम' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में 'शाश्वत सत्य को तलाशती अज्ञेय की कविता' शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।
49. उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून द्वारा देहरादून में आयोजित दिनांक 16-18 अप्रैल, 2011 को प्रथम उत्तराखण्ड लोक भाषा सम्मेलन में 'उत्तराखण्ड की लोक गाथाएँ' शीर्षक से शोध पत्र वाचन किया।
50. आई०सी०एस०एस०आर० द्वारा सम्पोषित एस०एम०जे०एन० पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज हरिद्वार में दिनांक 5-6 जून 2011 को फेमिनिज्म : मिथ एण्ड रियलिटी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'समकालीन हिन्दी कहानियों में स्त्री विमर्श' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
51. उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून द्वारा देहरादून में आयोजित दिनांक 12-13 दिसम्बर, 2011 में 'लोक भाषाओं का साहित्य एवं उसके सांस्कृतिक आयाम' विषय पर आयोजित शोध सम्मेलन में प्रतिभागिता की और 'कुमाऊँनी-गढ़वाली लोकोक्तियों व मुहावरों का सांस्कृतिक संदर्भ' शीर्षक से शोध पत्र वाचन किया।
52. यू०जी०सी० नई दिल्ली द्वारा एस०एम०जे०एन० पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज हरिद्वार में दिनांक 27-28 जनवरी 2013 को विषय प्रबन्धकीय उत्कृष्टता और मानवाधिकार पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस में प्रबन्धकीय उत्कृष्टता और मानवाधिकार संरक्षण' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
53. द इण्डियन फिलोसफिकल कांग्रेस ने उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के तत्वाधान में 87 वाँ अधिवेशन दिनांक 30 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2013 को सम्पन्न किया, जहाँ 'रामचरितमानस में वेदोक्त ब्रह्म निरूपण' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।
54. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड के मनोविज्ञान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 15-16 फरवरी 2014, में "मेन्टल हेल्थ चैलेन्जेज एण्ड रिमेडियल अपरोचेज" के अन्तर्गत 'शैलेश मटियानी की कहानियों में अभिव्यक्त विकृत मनोदशा का मूल्यांकन' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
55. सांइटिफिक स्पीच्युएलिटी स्टडीज, डिपार्टमेन्ट ऑफ ओरिएन्टल स्टडीज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एन्शिएन्ट एण्ड स्पीच्युअल सांइसिज शीर्षकान्तर्गत 'मंत्र : एक अलौकिक विज्ञान' विषय पर शोध पत्र दिनांक 25-26 अक्टूबर 2014 में प्रस्तुत किया।
56. डिपार्टमेन्ट ऑफ संस्कृति, गोहाटी यूनिवर्सिटी, गोहाटी(आसाम) द्वारा दिनांक 2-4 जनवरी 2015 तक चलने वाले 47 वें सेशन ऑफ आल इण्डिया ओरिएन्टल कान्फ्रेस, गोहाटी में "मानवीय दौर्बल्य से युक्त कैकेयी : रामायण और मानस के संदर्भ में" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
57. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड के वेद विभाग और महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी में दिनांक 13-15 मार्च 2015 में "वैश्विक ज्ञान-विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में वेदों की प्रासंगिकता" के अन्तर्गत 'वैश्विक संदर्भ में वेदोक्त नैतिक मूल्यों की प्रासंगिकता' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
58. 28-29 फरवरी 2016 को एस०एम०जे०एन० पी०जी० कॉलेज हरिद्वार एवं यू०जी०सी० नई दिल्ली स्पॉन्सर्ड के तत्वाधान में "वैल्यूज, एथिक्स एण्ड सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "तुलसी के काव्य में मूल्यबोध और सामाजिक सरोकार" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत।
59. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड के दर्शन शास्त्र विभाग और आई०सी०पी०आर० नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 27-28 मार्च 2016 में "योग दर्शन और श्रीमद्भगवद्गीता के

सिद्धान्तों एवं साधनाओं की प्रासंगिकता' के अन्तर्गत 'श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित सामाजिक सौहार्द और सहिष्णुता' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

60. इण्डियन काउन्सिल ऑफ फिलोसोफिकल रिसर्च के तत्वाधान में हरिद्वार में मार्च 29-31, 2016 में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सहभागिता की और 'फिलोसफी ऑफ हठयोग इन कबीर लिटरेचर' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
61. हिन्दी विभाग डी0ए0वी0 कॉलेज वाराणसी एवं नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली द्वारा 30-31 अक्टूबर 2018 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राहुल सांस्कृत्यायन के सृजन में बौद्ध चिंतन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
62. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड के दर्शन शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 24-25 नवम्बर 2018 में "योग एवं श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धान्तों एवं साधना पद्धतियों का स्वरूप एवं प्रासंगिकता" के अन्तर्गत 'श्रीमद्भगवद्गीता में स्वास्थ्य के सूत्र' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
63. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय और अन्तः प्रवाह सोसाइटी हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा हरिद्वार लीटरेचर फेस्टिवल में दिनांक 14-16 दिसम्बर 2018 में "भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकार और हिन्दी कविता" शीर्षक से शोध पत्र वाचन किया।
64. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड व महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैनी के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी (वैदिक वाग्मयम् परम्परागत आधुनिक विज्ञानयोर मूलम) में दिनांक 25-27 फरवरी 2019 में प्रतिभाग किया और "वेदों में सृष्टि उत्पत्ति सम्बन्धी अवधारणा" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
65. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित 'स्त्री लेखन के आदि हस्ताक्षर' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अनामिका और कात्यायनी की कविताओं में अस्तित्ववादी विमर्श" विषय पर शोध पत्र वाचन दिनांक 29-30 मार्च 2019 किया।
66. कोविड-19 में वेद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता विषय पर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, प्रौद्योगिकी संकाय में दो दिवसीय अन्तर्जालीय राष्ट्रीय सम्मेलन 2020, दिनांक 30-31 जुलाई 2020 में कोविड-19 में यज्ञ और धूपन कर्म की उपादेयता शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आकाशवाणी प्रसारण:- 24

अन्य प्रकाशन- वर्तमान साहित्य, आजकल, मधुमती, समकालीन भारतीय साहित्य, साक्षात्कार, साखी, कादम्बिनी, नवनीत, गंगा(मासिक), साहित्य भारती, आधार शिला, लोक गंगा, उत्तरा, ताप्ती लोक, चिदम्बरा, हरिगंधा, शतपथ, केरल ज्योति, कथादेश, हलन्त, बाल प्रहरी, गृहसुमन, गर्भनाल, पहरु, वेद अमृत, जनपथ इत्यादि पत्रिकाओं और अमर उजाला, दैनिक भाष्कर, विश्व मानव, हिन्दुस्तान सदृश समाचार पत्रों में विविध आलेख, लगभग 100 कविताएँ, साक्षात्कार, यात्रा वृत्तान्त प्रकाशित।

सम्मान (राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय) :- सारस्वत सम्मान, सुमेरु सम्मान, सृजन श्री सम्मान, हिन्दी गौरव सम्मान, शिवानी साहित्य सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान

विदेश यात्राएँ- विविध साहित्यिक-सांस्कृतिक सम्मेलनों में प्रतिभाग करते हुए थाइलैण्ड, मॉरिशस, बेल्जियम, जापान, नीदरलैण्ड, स्विट्जरलैण्ड, नेपाल, जर्मनी, फ्रांस, दुबई, शारजाह, आबूधाबी, पोलेण्ड, सिंगापुर, बाली, मलेशिया इत्यादि देशों की यात्राएँ की।

सदस्य:-

1. ए0आई0पी0सी0 की संस्थापक सदस्य।
2. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) में विषय विशेषज्ञ
3. वाइडर एसोशियेशन फॉर वैदिक स्टडीज(वेव्ज) की स्थायी सदस्य।
4. ए0आई0पी0सी0 की आजीवन सदस्य।
5. नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली-19, गॉंधी स्मारक, निधि, राजघाट, नई दिल्ली-110002
6. राष्ट्रीय हिन्दी सेवा महासंघ 3-4 सेन्ट्रल एक्साइल कॉलोनी, डेली कॉलेज रोड, इन्दौर 784434ए सिविल हडको अहमदनगर, महाराष्ट्र की आजीवन सदस्य।
7. अखिल भारतीय दर्शन परिषद् की स्थायी व आजीवन सदस्य।

8. उत्तराखण्ड भाषा संस्थान देहरादून के लोक भाषा सम्मेलन की आयोजन समिति व शोध परियोजना समिति (2010–11) की सदस्य।
9. जागृति ऑल इण्डिया वीमैन कांफ्रेस की आजीवन सदस्य।
10. गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य।
11. गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के शिक्षा पटल (एकेडमिक काउंसिल) की सदस्य (2018–2020)
12. शोध संदर्भ पत्रिका 'रिसर्च जनरल ऑफ सोशल एण्ड लाइफ साइंसेज' की विषय विशेषज्ञ/परामर्श मण्डल की सदस्य।

बाल साहित्य:—

1. बच्चों की त्रैमासिक पत्रिका, बालप्रहरी के अक्टूबर–दिसम्बर, 2012, वर्ष-9, अंक-2 में 'उगते सूरज का देश' नामक यात्रा वृत्तान्त प्रकाशित, पृ0 43–46
2. एस चाँद पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित संस्कृत भारती प्रकाशन की नवीन सुबोध भारती हिन्दी पाठमाला के 2019 के परिवर्धित संस्करण में 'लौटती चिड़ियाँ' शीर्षक से कविता पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई। पृ0 94–97
3. सरस्वती पब्लिकेशन हाउस द्वारा 8वीं कक्षा के लिए निर्मित पाठ्यक्रम पुस्तक, संकल्प हिन्दी पाठमाला में 'माँ मुझे आने दे' कविता संकलित, पृ0 103–106।
4. तेलंगाणा राज्य सरकार हैदराबाद द्वारा कक्षा 10 के लिए हिन्दी द्वितीय भाषा के रूप में प्रकाशित पुस्तक 'सुगंध-2' में मृदुल जोशी की कविता "माँ मुझे आने दे" पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई। प्रथम संस्करण-2014, परिवर्धित संस्करण-2015, पृ0 12–13

आकाशवाणी प्रसारण:— 24

1. लघुकथा-आकाशवाणी अल्मोड़ा 27.8.89
2. कालजयी व्यक्तित्व: महारथी कर्ण, आकाशवाणी रामपुर 9.4.92
3. भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय भावना, आकाशवाणी रामपुर 25.8.92
4. साहित्यिक पत्रिका परिमल: वर्ष 1992 कहानी के सन्दर्भ में, आकाशवाणी रामपुर 15.12.92
5. जुलाई में प्रकाशित पत्रिकाओं के साहित्य पर समीक्षा, आकाशवाणी रामपुर 20.7.93
6. सितम्बर 93 की पत्रिकाओं में प्रकाशित साहित्य पर समीक्षा, आकाशवाणी रामपुर 7.9.93
7. नई कविता में विम्ब विधान, आकाशवाणी नजीबाबाद 5.10.93
8. समकालीन हिन्दी कविता में आम आदमी, आकाशवाणी नजीबाबाद 8.2.94
9. हिन्दी साहित्य में महाशिव रात्रि एक पावन पर्व 10.3.94
10. समकालीन साहित्य में नारी, आकाशवाणी नजीबाबाद 19.7.94
11. नवें दशक की हिन्दी कविता, आकाशवाणी नजीबाबाद 10.1.95
12. हिन्दी कविता के नये सोपान, आकाशवाणी नजीबाबाद 8.5.95
13. सामाजिक विकास और साहित्य, आकाशवाणी नजीबाबाद 25.12.95
14. भक्ति काल के प्रमुख कवि, आकाशवाणी नजीबाबाद 14.7.97
15. महादेवी वर्मा के रेखा चित्रों में नारी चित्रण, आकाशवाणी नजीबाबाद 31.10.97
16. प्रेमचन्द के साहित्य में राष्ट्रीय एकता, आकाशवाणी नजीबाबाद 20.11.98
17. हिन्दी साहित्य में साम्प्रदायिक सद्भाव, आकाशवाणी नजीबाबाद 21.5.99
18. महिला सशक्तीकरण और आज का साहित्य, आकाशवाणी नजीबाबाद 27.4.02
19. संयम व प्रार्थना (काल चिन्तन) आलेख, आकाशवाणी नजीबाबाद 7.1.98
20. मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन के रेडियो कार्यक्रम 'प्रार्थना' और 'चयनिका' में क्रमशः दो वार्ताएँ श्रीमद्भगवद्गीता की आज के संदर्भ में प्रासंगिकता और कबीर काव्य की विलक्षणता। शीर्षक से प्रसारित हुई कार्यक्रम का संचालन विश्व हिन्दी सचिवालय मॉरीशस की डायरेक्टर जनरल डॉ0 वी0बी0 अरुण ने किया। जो क्रमशः 9.09.08 और 12.09.08 को प्रसारित हुआ।
21. 6वाँ अंतरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन, (13 फरवरी- 18 फरवरी, 2013) दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) के अन्तर्गत शारजाह में हुए अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी काव्य-पाठ में अपनी कविताओं का काव्य-पाठ किया।
22. मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन, श्री उदय नारायण गंगू के साप्ताहिक रेडियो कार्यक्रम में भाग लिया और 'ऋग्वेद के श्रद्धा सूक्त' पर अपने विचार रखे तथा साक्षात्कार दिया, इसका प्रसारण 15.10.2013 को हुआ।

23. आधारशिला विश्व हिन्दी मिशन व हिन्दी स्पीकिंग यूनियन मॉरीशस द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन मॉरीशस (10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2013) में साहित्यिक कार्यक्रमों व कवि सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी करते हुए प्रसिद्ध कवि और लेखक ब्यूरो प्रमुख मॉरीशस, श्रीरामदेव धुरंधर की अध्यक्षता में काव्य पाठ किया।
24. पर्व त्यौहार एवं उनका संदेश, आकाशवाणी नजीबाबाद 15.10.2014(रिकॉर्डिंग), प्रसारण तिथि 21.10.2014 रात्रि 9:30 बजे।